Teaching of social studies 3/06/2020
[B.Ed 1st year] Page 1 Miss Doli
(Asst. Professor)

सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ
(Meaning of Micro Teaching)

सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ है लघु कक्षा लघु पाठ - अवधि तथा लघु पाठ्य - सामग्री में शिक्षण। सूक्ष्म शिक्षण एक ऐसी शिक्षक - शिक्षण विधि है जो कक्षा - अध्यापन की जटिलता और विस्तार को घटाकर उन्हें लघु रूप देती है और शिक्षण कौशलों एवं निपुणताओं के उन्नयन के लिए कार्य करती है।

सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषाएँ
(Definitions of Micro Teaching)

1. सूक्ष्म विधि के जन्मदाता डी० एलेन ने जो संयुक्त राज्य अमेरिका की स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में कार्य करते थे। 1966 में सूक्ष्म शिक्षण की इस प्रकार व्याख्या की "सूक्ष्म शिक्षण एक विश्लेषित शिक्षण है जिसमें शिक्षण की प्रक्रिया लघु रूप में कम विद्यार्थियों वाली कक्षा के सामने अल्प समय में सम्पन्न की जाती है। इसका प्रयोग सेवारत एवं सेवापूर्व शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए किया जाता है। सूक्ष्म शिक्षण अध्यापकों को शिक्षण के अभ्यास के लिए ऐसी स्थिति प्रदान करता है जिससे कक्षा - शिक्षण की सामान्य जटिलताएँ कम हो पाती है। इसमें अध्यापक बहुत अधिक मात्रा

में अपने शिक्षण - व्यवहार के लिए प्रतिपुष्टि प्राप्त करता है।"

(1) एल० सी० सिंह के अनुसार → "सूक्ष्म शिक्षण का सरलीकृत लघु रूप है। जिससे शिक्षक 5 छात्रों के समूह को 5-20 मिनट तक के समय में पाठ्यवस्तु की छोटी-सी इकाई का शिक्षण प्रदान कर देता है।"

(2) बी० के० पासी (B.K. Passi) के अनुसार "शिक्षण कौशलों का एक समूह जो छात्रों के सीखने के लिए सुगमता प्रदान करने के विचार से सम्पन्न की गई सम्बन्धित शिक्षण क्रियाओं का समूह है।"

(3) 1981 में एस० के० शर्मा (S.K. Sharma) ने सूक्ष्म - शिक्षण की अनेक परिभाषाओं की समालोचनात्मक विवेचना की तथा इस प्रकार अपने विचार व्यक्त किये "सूक्ष्म शिक्षण एक विशिष्ट शिक्षण -प्रशिक्षण तकनीक है जिसके द्वारा प्रशिक्षणार्थी प्रतिपुष्टि के सहारे छात्रों के सुझाव को बदलने के लिए विभिन्न कौशलों का विशिष्ट परिस्थितियों में

अभ्यास करता है।"

(4) एन० के० जॉगीरा तथा अजीत सिंह के अनुसार → "सूक्ष्म - शिक्षण अध्यापक को के लिये एक प्रशिक्षण व्यवस्था है जिसमें सामान्य कक्षा शिक्षण की जटिलताओं को अत्यंत कम से कम कर दिया गया है।

(i) एक समय में एक कौशल का अभ्यास करना,

(ii) शिक्षण को एक परिकल्पना तक सीमित किया जाना,

(iii) कक्षा का आकार 5 से 10 छात्रों की सीमा तक घटाया जाना,

(iv) कक्षा का कालांश 5 से 10 मिनट तक की सीमा तक रखा जाना।

(5) बुश (Bush) के अनुसार → "सूक्ष्म - शिक्षण अध्यापक - शिक्षा की वह प्रविधि है जिसमें अध्यापक स्पष्ट रूप से परिभाषित शिक्षण कौशलों का प्रयोग ध्यानपूर्वक तैयार किये और नियोजित पाठों, या पाँच से दस मिनट तक वास्तविक विद्यार्थियों के छोटे से समूह के साथ अन्तः क्रिया करता है जिसके परिणाम वीडियो टेप पर प्राप्त करने का अवसर

मिलता है।"

आर॰ एन॰ कुश के अनुसार :-

सूक्ष्म - शिक्षण शिक्षण प्रशिक्षण की वह प्रविधि है जिसमें शिक्षक स्पष्ट रूप से परिभाषित शिक्षण कौशलों का प्रयोग करते हुए ध्यानपूर्वक पाठ तैयार करता है, नियोजित पाठों के आधार पर पांच से दस मिनट तक वास्तविक छात्रों के छोटे समूह के साथ अन्तः क्रिया करता है, जिसके परिणामस्वरूप वीडियो टेप पर प्रेक्षण प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर सूक्ष्म- शिक्षण की प्रकृति तथा विशेषताओं के बारे में निम्न निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं-

(1) यह एक शिक्षण तकनीक है न कि शिक्षण विधि

(2) अध्यापक शिक्षण में यह एक नवीन तकनीक है।

(3) भाषण विधि प्रश्नोत्तर विधि प्रदर्शन विधि की भाँति यह कोई विधि नहीं है।

(4) इसमें सूक्ष्म-शिक्षण कहते हैं, क्योंकि वास्तविक शिक्षण की जटिलताओं को खींचे लाया जाता है अर्थात एक समय में एक ही कौशल को 10 से 20 छात्रों की कक्षा में 5 से 10 मिनट तक छोटी सामग्री को लेकर शिक्षण करना

(5) यह अत्याधिक व्यक्तिगतीय प्रशिक्षण तकनीक है।

(6) निरीक्षक पीछे बैठ कर शिक्षण के अन्त में परीक्षार्थी की उपलब्धि के बारे में प्रतिपुष्टि करता है।

सूक्ष्म-शिक्षण की अवधारणा (Concept of micro-teaching)

शिक्षण के लिये शिक्षण व्यवहार के प्रारूप अति आवश्यक होते हैं। पृष्ठ पोषण (feed back) द्वारा अपेक्षित व्यवहारों का विकास किया जा सकता है। यह प्रणाली उपचारात्मक है। इसकी अवधारणायें निम्न हैं—

(1) अध्यापक-प्रशिक्षण के रूप में जाना जाये।

(2) अध्यापकों को शिक्षण कौशलों के प्रशिक्षण के लिये अपनाया जाना आवश्यक है।

(3) इसमें एक समय में एक ही व्यक्ति नियन्त्रित परिस्थितियों में किसी एक कौशल का अभ्यास करने का अवसर मिलता है।

(4) सूक्ष्म - शिक्षण की समाप्ति पर शिक्षक को उसके शिक्षण के सम्बन्ध में तुरन्त सूचना प्राप्त हो जाती है।

MISS DOLI
(Asst. Professor)